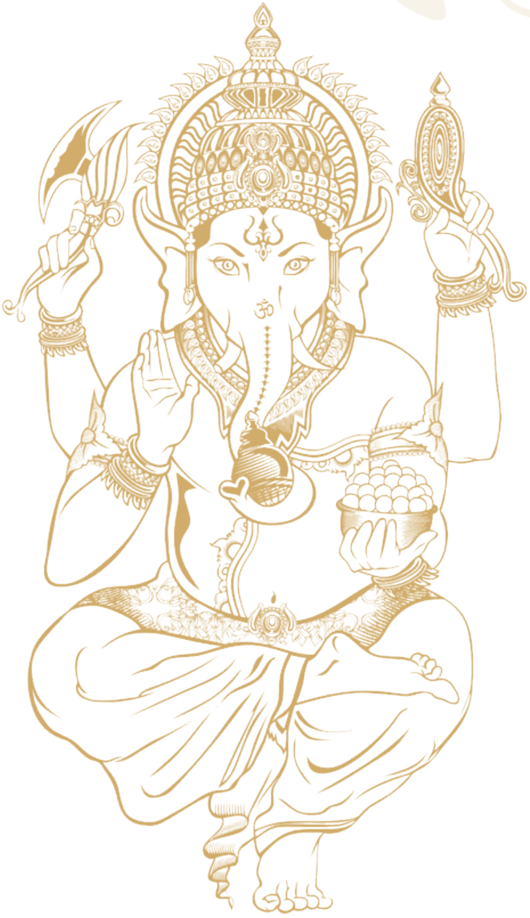

Vicky khan

24 Dec 1998

01:00 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120924903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/12/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	14:24:24 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:00:35 घंटे
साम्पातिक काल	18:49:43 घंटे
सूर्योदय	07:14:14 घंटे
सूर्यास्त	17:26:24 घंटे
दिनमान	10:12:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	08:26:00 धनु
लग्न के अंश	24:05:03 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:05:03	510:39:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			धनु	08:26:00	01:01:08	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	11:33:10	13:19:17	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	20:39:50	00:30:49	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	17:18:39	01:12:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु			कुंभ	27:02:46	00:07:39	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			धनु	21:54:04	01:15:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		मेष	02:57:16	00:00:36	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु			कर्क	29:25:12	00:01:03	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	29:25:12	00:01:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:43:46	00:02:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:56:56	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:59:58	00:02:12	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	17:35:17	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:24

लग्न-चलित

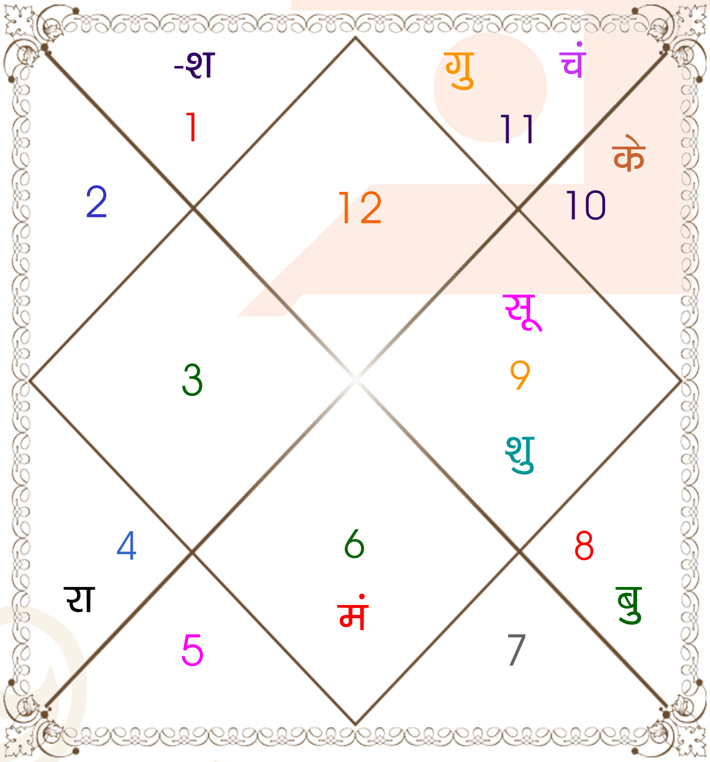

चन्द्र कुंडली

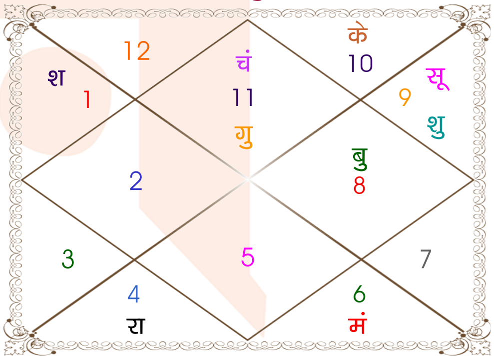

नवमांश कुंडली

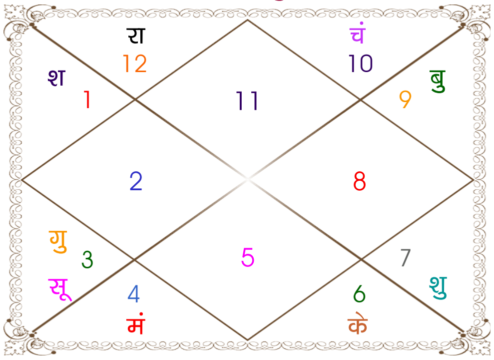

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 4 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/12/1998		20/05/2010		20/05/2026		20/05/2045		20/05/2062	
20/05/2010		20/05/2026		20/05/2045		20/05/2062		20/05/2069	
	00/00/0000	गुरु	07/07/2012	शनि	23/05/2029	बुध	17/10/2047	केतु	16/10/2062
	24/12/1998	शनि	19/01/2015	बुध	31/01/2032	केतु	13/10/2048	शुक्र	17/12/2063
शनि	01/05/2000	बुध	26/04/2017	केतु	11/03/2033	शुक्र	14/08/2051	सूर्य	22/04/2064
बुध	19/11/2002	केतु	02/04/2018	शुक्र	11/05/2036	सूर्य	19/06/2052	चंद्र	21/11/2064
केतु	07/12/2003	शुक्र	01/12/2020	सूर्य	23/04/2037	चंद्र	19/11/2053	मंगल	20/04/2065
शुक्र	07/12/2006	सूर्य	19/09/2021	चंद्र	22/11/2038	मंगल	16/11/2054	राहु	08/05/2066
सूर्य	01/11/2007	चंद्र	19/01/2023	मंगल	01/01/2040	राहु	04/06/2057	गुरु	14/04/2067
चंद्र	02/05/2009	मंगल	26/12/2023	राहु	07/11/2042	गुरु	10/09/2059	शनि	23/05/2068
मंगल	20/05/2010	राहु	20/05/2026	गुरु	20/05/2045	शनि	20/05/2062	बुध	20/05/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/05/2069		20/05/2089		21/05/2095		21/05/2105		21/05/2112	
20/05/2089		21/05/2095		21/05/2105		21/05/2112		00/00/0000	
शुक्र	19/09/2072	सूर्य	07/09/2089	चंद्र	20/03/2096	मंगल	17/10/2105	राहु	01/02/2115
सूर्य	19/09/2073	चंद्र	08/03/2090	मंगल	19/10/2096	राहु	05/11/2106	गुरु	27/06/2117
चंद्र	21/05/2075	मंगल	14/07/2090	राहु	20/04/2098	गुरु	12/10/2107	शनि	25/12/2118
मंगल	20/07/2076	राहु	08/06/2091	गुरु	20/08/2099	शनि	19/11/2108		00/00/0000
राहु	20/07/2079	गुरु	26/03/2092	शनि	21/03/2101	बुध	17/11/2109		00/00/0000
गुरु	20/03/2082	शनि	08/03/2093	बुध	21/08/2102	केतु	15/04/2110		00/00/0000
शनि	20/05/2085	बुध	12/01/2094	केतु	22/03/2103	शुक्र	15/06/2111		00/00/0000
बुध	20/03/2088	केतु	20/05/2094	शुक्र	19/11/2104	सूर्य	21/10/2111		00/00/0000
केतु	20/05/2089	शुक्र	21/05/2095	सूर्य	21/05/2105	चंद्र	21/05/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरुप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।